**10.03.2025**

# परीक्षा नियंत्रक, सीबीएसई से प्रश्न-उत्तर

| | | |
|---|---|---|
| 1 | मैं बारहवीं का छात्र हूँ, अभी जो परीक्षाएं बची हैं, उनके लिए खुद को कैसे निरंतर प्रेरित रखा जा सकता है?- रमेश | प्रिय रमेश, आपके प्रश्न से ज्ञात होता है कि आप अपनी परीक्षाओं को लेकर जागरूक हैं और यह हर्ष का विषय है। जो परीक्षार्थी अपने को प्रेरित रखने की बात करता है मैं कहूँगा कि वह सही दिशा की ओर अग्रसर है। आप निम्नलिखित बातों का ध्यान रखें :-<br>1. जो परीक्षा हो चुकी है उन्हें भूल कर अपने मन को एकाग्र कर आने वाले परीक्षाओं की तैयारी पर ध्यान केन्द्रित करें \|<br>2. समयानुसार अच्छा भोजन करें\|<br>3. थोड़ा व्यायाम करें\|<br>4. कम से कम 7-8 घंटे की नींद अवश्य लें\|<br>5. बचे हुए विषयों के अनुरूप अपनी समय-सारणी तैयार करें ।<br>6. अपनी तैयारी पर विश्वास रखें\| |
| 2 | मैं बारहवीं की छात्रा हूँ, पिछले पेपर में की गई गलती से कैसे सीखा जा सकता है?- निकिता | प्रिय निकिता, इससे अच्छा क्या हो सकता है कि पूर्व की परीक्षाओं में की गई गलतियाँ आपको ज्ञात हैं। बस, आगामी परीक्षाओं में ये गलतियाँ न हों इसका ध्यान रखें। आप इन गलतियों से बचने के लिए एकाग्रचित होकर परीक्षा की तैयारी करें व अनेक बार अभ्यास करें। आप निश्चित ही सफल होंगी। |
| 3 | क्या बोर्ड परीक्षा में एनसीईआरटी पुस्तकों के ही डायग्राम बनाना जरूरी है, या फिर अपनी सुविधा के अनुसार किसी अन्य रिफ्रेशर बुक से डायग्राम बनाये जा सकते हैं? - नवीन | प्रिय नवीन, जब किसी प्रश्नपत्र में डायग्राम बनाने की आवश्यकता होती है तब डायग्राम प्रश्न में चाही गई जानकारी के अनुरूप निर्धारित होता है। आवश्यकता यह है कि डायग्राम सही हो। डायग्राम किस पुस्तक से लिया गया है यह महत्वपूर्ण नहीं है। |
| 4 | यदि मैं दसवीं के कुछ विषयों में पास नही होता तो क्या अगले साल दो बार परीक्षा व्यवस्था में किसी एक में परीक्षा दे सकूंगा? - दिनेश | प्रिय दिनेश, पहले आपको मेरी शुभकामनाएँ कि आप अपनी परीक्षा में इसी वर्ष सफल हों। ध्यान दें कि आपका यह वर्ष भी मूल्यवान है। हर आने वाला वर्ष अगला वर्ष है। जब परीक्षा इस वर्ष में दे रहे हैं, तब हमें सफल भी इसी वर्ष होना है। फिर भी आपके संज्ञान में यह लाना आवश्यक है कि कक्षा 10 में यदि विद्यार्थी दो विषयों में उत्तीर्ण नहीं होता है तब इसी वर्ष जुलाई माह में दो विषयों की परीक्षा देकर उत्तीर्ण होने का अवसर दिया जाएगा। विद्यार्थी को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए यदि वह दो विषयों में उत्तीर्ण नहीं होता है। |